भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5889

उत्तर देने की तारीख 30 मार्च, 2026

9 चैत्र, 1948 (शक)

पारंपरिक खेलों का पुनरुद्धार और उन्हें बढ़ावा देना

5889. श्री नवसकनी के.:

श्री सी. एन. अन्नादुरई:

श्री जी. सेल्वम:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 'खेलो इंडिया' पहल के अंतर्गत तमिलनाडु के गांवों में प्रचलित स्वदेशी खेलों, जिनमें सिलंबम, सदुगुडु जैसी पारंपरिक विधाएं और अन्य ग्रामीण खेल संबंधी कार्यकलाप सम्मिलित हैं, का कोई मानचित्रण या प्रलेखन किया है तथा उनके पुनरुद्धार और मानकीकरण के लिए प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण केंद्रों और प्रतिभा खोज शिविरों में तमिलनाडु के आकांक्षी, जनजातीय और सूखा-प्रवण जिलों के युवाओं की भागीदारी का कोई आकलन किया है और यदि हां, तो जिला-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने तमिलनाडु में स्वदेशी खेलों और मार्शल परंपराओं के लिए समर्पित 'खेलो इंडिया' केंद्र, प्रशिक्षण हब या सामुदायिक खेल अवसंरचना स्थापित करने या उन्हें सहायता प्रदान करने हेतु कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का उक्त पहल के अंतर्गत पारंपरिक तमिल खेलों के लिए समर्पित प्रदर्शन लीग, स्कूली प्रतियोगिताओं या राष्ट्रीय उत्सवों को शुरू करने का विचार है तथा उनके लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, पारंपरिक और देशज खेलों के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए कदम उठाने या नीतियाँ बनाने, अवसंरचना के निर्माण, एथलीटों और कोचों

को वित्तीय सहायता प्रदान करने, धनराशि का आवंटन और उपयोग करने, पारंपरिक और देशज भारतीय खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें लोकप्रिय बनाने तथा पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए पहल का विस्तार करने सहित खेलों के विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का होता है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। तथापि, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत "ग्रामीण/देशज और जनजातीय गेम्स के संवर्धन" उप-घटक के माध्यम से देशज, ग्रामीण और जनजातीय खेलों को बढ़ावा दे रहा है। इस उप-घटक के अंतर्गत पारंपरिक विधाओं की पहचान की जाती है और उन्हें पुनर्जीवित करने, संरक्षित करने और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है। मल्लखंब, कलारीपयट्टु, योगासन, गटका और थांग-टा जैसी विधाओं के साथ तमिलनाडु की पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम को सहायता प्राप्त देशज खेलों में शामिल किया गया है। राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों, स्थानीय खेल निकायों और सामुदायिक संगठनों को प्रतियोगिताओं के आयोजन, प्रशिक्षण, जागरूकता गतिविधियों और देशज खेलों से संबंधित अन्य संवर्धन प्रयासों के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।

खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत ज़िला स्तर पर प्रशिक्षण को सशक्त बनाने के लिए देशभर में कुल 1066 खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) अधिसूचित किए गए हैं, जिनमें तमिलनाडु के 39 केआईसी शामिल हैं। इसमें विलुप्पुरम ज़िले में मल्लखंब के लिए समर्पित एक केआईसी भी शामिल है, जहाँ 63 एथलीटों को पारंपरिक प्रतिभा पोषित करने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर, 174 प्राथमिकता वाले जनजातीय ज़िलों में 258 केआईसी स्थापित किए गए हैं ताकि दूरस्थ क्षेत्रों की प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण कोचिंग तक पहुँच सुनिश्चित की जा सके।

पारंपरिक खेलों को खेलो इंडिया और फिट इंडिया के तहत राष्ट्रीय मंचों पर भी बढ़ावा दिया जाता है। इसी संदर्भ में, तमिलनाडु में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के दौरान सिलंबम को एक प्रदर्शन खेल के रूप में प्रस्तुत किया गया था। समय-समय पर खेलो इंडिया आयोजनों में देशज विधाओं को प्रदर्शन या प्रतिस्पर्धात्मक प्रारूपों में शामिल करने पर विचार किया जाता है, ताकि भारत की पारंपरिक खेल विरासत का संरक्षण और संवर्धन किया जा सके।

तमिलनाडु राज्य सहित देशभर में खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत विभिन्न खेल सुविधाओं जैसे खेल अवसंरचना, खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी), खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई), खेलो इंडिया मान्यताप्राप्त अकादमियां (केआईएए) तथा खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://dashboard.kheloindia.gov.in पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

****